सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से कृषि विस्तार

1. **कृषि नेट परियोजना –**

प्रदेश में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत कृषि सूचना तन्त्र प्रणाली, कृषिनेट (एग्रिसनेट) परियोजना प्रदेश में कियान्वित है।

कृषि नेट – कृषकों के लिये प्रमुख सेवाएं

- विभिन्न फसलों की उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी।
- फसल प्रबंधन तकनीकों एवं भूमि एवं जल प्रबंधन तथा संवर्धन ।
- फसलों में कीट–व्याधि की पहचान, प्रकोप एवं उनका सामयिक उपचार।
- कार्यक्रमों एवं कृषि गतिविधियों की जानकारी।

सेवा प्रदाय केन्द्र

- जिला से लेकर विकासखण्ड स्तर तक विभागीय किसान सूचना केंद्र।
- सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्थापित किये गये नागरिक सेवा केन्द्र।
- कृषि उपज मण्डियों के ई–कियोस्क ।
- जिले के समस्त निजी सूचना केन्द्र/इन्टरनेट कैफे/कम्प्यूटर केन्द्र

कैसे उपयोग करें

"www.mpkrishi.org" पर जाकर आवश्यक जानकारी हेतु, संबंधित लिंक क्लिक करें।

2. **कृषि में सूचना प्रोद्यौगिकी योजना** – राज्य पेाषित इस येाजनान्तर्गत कृषि सूचना केंद्र का संचालन हेतु दो दिन के कृषक प्रशिक्षण का आयोजन विभागीय कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्रों पर किया जाता है। इसका उद्देश्य किसान भाइयों को वर्तमान में उपलब्ध सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से नवीन कृषि तकनीकी तक पहुंच बनाने हेतु क्षमता का विकास करना है।

3. राज्य कृषि विकास योजना अंतर्गत प्रोजेक्ट्स –योजना के माध्यम से प्रदेश में प्रादेशिक किसान काल सेंटर की स्थापना, सामुदायिक रेडियो स्टेशन का प्रारंभ एवं राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल में आई.टी. लेब की स्थापना प्रमुख रूप से की गई है।

4. **कृषि में राष्ट्रीय ई–गवर्नेन्स योजना** – चयनित 12 सेवाओं का प्रदाय पोर्टल के माध्यम से कृषकों को किया जाना है। किसान भाई इस योजनान्तर्गत बीज, खाद एवं दवा की उपलब्धता, मौसम पूर्वानुमान, मंडी भाव, कृषि योजनाएं, एकीकृत फसल प्रबंधन, गुण नियंत्रण, सिंचाई, जैविक खेती, प्राकृतिक आपदाएं, फसल बीमा, मृदा स्वास्थ्य, उद्यानिकी, मछली पालन एवं पशु पालन आदि से संबंधित जानकारी पोर्टल पर एवं एस.एम.एस. के माध्यम से प्राप्त कर सकेगें, साथ ही विभिन्न येाजनाओं में आवेदन के निराकरण की स्थिति तथा समस्या समाधान भी प्राप्त कर सकेगें।